BSKC – 131

बी.ए. कार्यक्रम

(बी.ए.जी.)

सत्रीय कार्य (प्रथम छमाही)

(जुलाई, 2020 एवं जनवरी, 2021 सत्रों के लिए)

BSKC – 131 संस्कृत पद्य–साहित्य

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बी.ए. (कार्यक्रम) संस्कृत–कोर पाठ्यक्रम

सत्रीय कार्य (2020–21)

पाठ्यक्रम कोड : BAG/BSKC-131/2020–21

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश :– सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनांक : .....

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2020 सत्र के लिए : 30 अप्रैल 2021

जनवरी 2021 सत्र के लिए : 31 अक्टूबर 2021

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास** : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य : BSKC- 131संस्कृत पद्य–साहित्य

पाठ्यक्रम कोड – BSKC-131
पाठ्यक्रम शीर्षक – संस्कृत पद्य–साहित्य
सत्रीय कार्य – BSKC – 131/TMA/2020-2021

पूर्णांक – 100

नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : –

(क) व्याख्या आधारित प्रश्न :–

1. अधोलिखित पद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :– 10X3=30

(क) अथवा कृतवाग्द्वारे वंशेऽस्मिन् पूर्वंसूरिभिः।

मणौ वज्रसमुत्कीर्णो सूत्रस्येवस्ति मे गतिः।।

अथवा

तदन्वये शुद्धिमति प्रसूतः शुद्धिमत्तरः।

दिलीप इति राजेन्दुरिन्दुः क्षीरनिधाविव।।

(ख) अनिर्लोडितकार्यस्य वाग्जालं वाग्मिनो वृथा।

निमित्तादपराद्धेषोर्धानुकस्येव वल्गिताम्।।

अथवा

अन्यदा भूषणं पुंसः क्षमा लज्जेव योषितः।

पराक्रम परिभवे वैयात्यं सुरेतेष्विव।।

(ग) स्वायत्तमेकान्तगुणं विधात्रा

विनिर्मितं छादनमज्ञतायाः।

विशेषतः सर्वविदां समाजे

विभूषणं मौनमपण्डितानाम्।।

अथवा

वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरैः सह।

न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्रभवनेष्वपि।।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न :– 5X5=25

2. महाभारत में किन विषयों का प्रतिपादन किया गया है? स्पष्ट कीजिए।

3. खण्डकाव्य (गीतिकाव्य) की विशेषताएं लिखिए।

4. पण्डितराज जगन्नाथ के शैलीगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

5. 'महाकवि कालिदास अपनी उपमाओं के लिए प्रसिद्ध हैं।' स्पष्ट कीजिए।

6. शृंगारशतक में भर्तृहरि ने किन विषयो का प्रतिपादन किया है?

(ग) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :

7. महाकाव्य के उद्भव पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए। 10

8. शिशुपालवध महाकाव्य के शैलीगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। 10

9. रघुवंश महाकाव्य के आधार पर राम का चरित्र-चित्रण कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए :– 15

(क) जानकीजीवनम् (ख) ऋतुसंहारम्

(ग) दशावतारचरितम् (घ) अमरुकशतकम्